इतिहास

S.No.	Title	Date	Page No.	Remark
01	खिलजी वंश की स्थापना	08/02/2019	1-07	
02	नवजागरण काल	08/02/2019	8-17	
03	बौद्ध धर्म	09/02/19	18-22	
04	जैन धर्म	10/02/19	23-29	
05	सिन्धु सभ्यता	11/02/	30-36	

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठ योजना 1.

कक्षा : VII दिनांक : 08/02/2019

विषय : इतिहास अवधि : 35 मि.

विद्यालय का नाम :. श्रीमती श्यामा देवी डिग्री कालेज

प्रकरण : खिलजी वंश की स्थापना

सामान्य उद्देश्य :. पूर्ववत

	शिक्षण बिन्दु	वि. उद्देश्य	अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन
1.	खिलजी वंश की स्थापना - अलाउद्दीन खिलजी जीवन परिचय	ज्ञानात्मक	1. छात्र खिलजी वंश के शासकों की पहचान कर सकेंगे।
			2. छात्र खिलजी वंश के युद्ध से संबंधित घटनाओं का प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।
2.	अलाउद्दीन खिलजी के सैन्य सुधार	अवबोधात्मक	1. छात्र खि॰ वंश के शासकों की व्याख्या कर सकेंगे।
			2. छात्र खि॰ वं॰ के युद्धों का वर्गीकरण कर सकेंगे।
		कौशलात्मक	1. छात्र खिलजी वंश को पहचानने का कौशल वि॰ करेंगे।
			2. छात्रों में खि॰ वंश की स्थापना की व्याख्या करने का कौशल विकसित होगा।
		अभिरुच्यात्मक	1. छात्रों में ऐतिहासिक घटनाओं एवं तथ्य के बारे समझने तथा अध्ययन करने की रुचि उत्पन्न होगी।
			2. छात्र खिलजी वंश के शासकों के विषय में उ॰ की रुचि उत्पन्न करेंगे।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. 02

	अभिवृत्यात्मक	1. छात्रों में ऐतिहासिक सामग्री के आधार पर ऐतिहासिक घटनाओं के संबंध में निष्कर्ष निकालने की अभिवृत्ति विकसित होगी।
		2. छात्रों में खिलजी वंश की प्रशासनिक व्यवस्था की अन्य वंशों से तुलना करने की अभिवृत्ति विकसित करेंगे।
	अनुप्रयोगात्मक	1. छात्र खिलजी वंश से संबंधित ऐतिहासिक तथ्यों एवं सामग्रियों का संग्रह करेंगे।
		2. छात्र खिलजी वंश के शासनकाल का विभाजन कर सकेंगे।

सहायक सामग्री :-

समस्त कक्षोपयोगी सामग्री (चॉक, डस्टर, लपेट श्याम पट्ट) खिलजी वंश को प्रदर्शित करता हुआ चार्ट।

पूर्व ज्ञान :-

छात्र खिलजी वंश के शासकों के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :-

छात्राध्यापक क्रिया	छात्र / छात्रा क्रियाएँ
1. भारत पर किन-किन वंशों ने शासन किया?	उत्तर - भारत पर गुलाम वंश, खिलजी वंश आदि ने शासन किया।
2. गुलाम वंश के बाद भारत पर किस वंश का शासन था?	उत्तर - गुलाम वंश के बाद भारत पर खिलजी वंश का शासन था।
3. खिलजी वंश के प्रमुख शासकों में से किसी एक का नाम बताइए।	उत्तर - खिलजी वंश के प्रमुख शासकों में अलाउद्दीन खिलजी था।
4. खिलजी वंश के प्रमुख संस्थापक कौन थे? (समस्यात्मक)	छात्र - छात्र निरुत्तर।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

- कुषाणों के पाश्चात् गुप्त वंश का उदय।
- श्रीगुप्त इस वंश का पहला राजा।
- राजाधिराज की उपाधि चन्द्रगुप्त ने धारण की।
- चन्द्रगुप्त ने विक्रम संवत् चलाया।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. 03

उद्देश्य कथन :- आज हम खिलजी वंश की स्थापना के बारे में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षक बिन्दु	छात्राध्यपक क्रिया	छात्र / छात्राएँ क्रियाएँ	विधि / प्रविधि	सहायक सामग्री	श्यामपट्ट कार्य
1. खिलजी वंश की स्थापना अलाउद्दीन खिलजी जीवन परिचय	विकासात्मक प्रश्न - प्र० खिलजी वंश की स्थापना किस वंश के बाद हुई ? प्र०2 खिलजी वंश की स्थापना के बारे में आप क्या जानते है (समस्यात्मक)	छात्र उत्तर देंगे। खिलजी वंश की स्थापना गुलाम वंश के बाद हुई। उ० छात्र अनुत्तरित	प्रश्नोत्तर प्रविधि	खिलजी वंश को प्रदर्शित करता हुआ चार्ट।	
	छात्राध्यपक कथन :- गुलाम वंश के शासक बलबन के बाद दिल्ली में कुछ समय के लिये अव्यवस्था फैल गयी। सत्ता प्राप्त करने के लिये तुर्को तथा खिलजी अमीरो में प्रयास जारी हो गये इस संघर्ष में खिलजी सरदार जलालुद्दीन फिरोजशाह खिलजी सुल्तान बनने में सफल रहा उसने खिलजी वंश की स्थापना 1290 ई० में की तथा उसने किलोखरी को अपनी राजधानी बनाया था, वह स्वयं को भारतीय मानता था।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	व्याख्यान विधि		• खिलजी वंश की स्थापना 1290 ई०। • संस्थापक - जलालुद्दीन फिरोज शाह खिलजी। • अलाउद्दीन फिरोजशाह 1296 में दिल्ली का शासक बना • जलालुद्दीन की हत्या उसके भतीजे अलाउद्दीन ने की। • धर्मगुरुओं का दखल देना नापसन्द।

Teacher's Signature : ....

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र/छात्राएं क्रियाएं	विधि/प्रविधि	सहायक सामग्री	श्यामपट्ट कार्य
	उसकी हत्या उसके भतीजे अलाउद्दीन ने 1296 ई. में करवा दी। जलालुद्दीन की मृत्यु के बाद उसका भतीजा अलाउद्दीन 1296 में दिल्ली के सिंहासन पर बैठा। उसने जलालुद्दीन की उदार नीतियों का त्याग कर दिया वह महान विजेता तथा कुशल शासक और चतुर राजनीतिज्ञ था। अलाउद्दीन को शासन के मामले में धर्मगुरुओं का दखल देना पसन्द नहीं था इसीलिये वह शासन सम्बन्धी नियमों को बनाने और उन्हें लागू करने में उसकी बातों को नहीं मानता था।		प्रश्नोत्तर प्रविधि		
	बोधात्मक प्रश्न —	छात्रा उत्तर देंगी			
	प्र०-दिल्ली पर शासन करने के लिये खिलजी अमीरों को किससे संघर्ष करना पड़ा?	उत्तर-दिल्ली पर शासन के लिये खिलजी अमीरों को तुर्कों से संघर्ष करना पड़ा?			
	प्र०-खिलजी वंश की स्थापना किसने और कब की?				

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

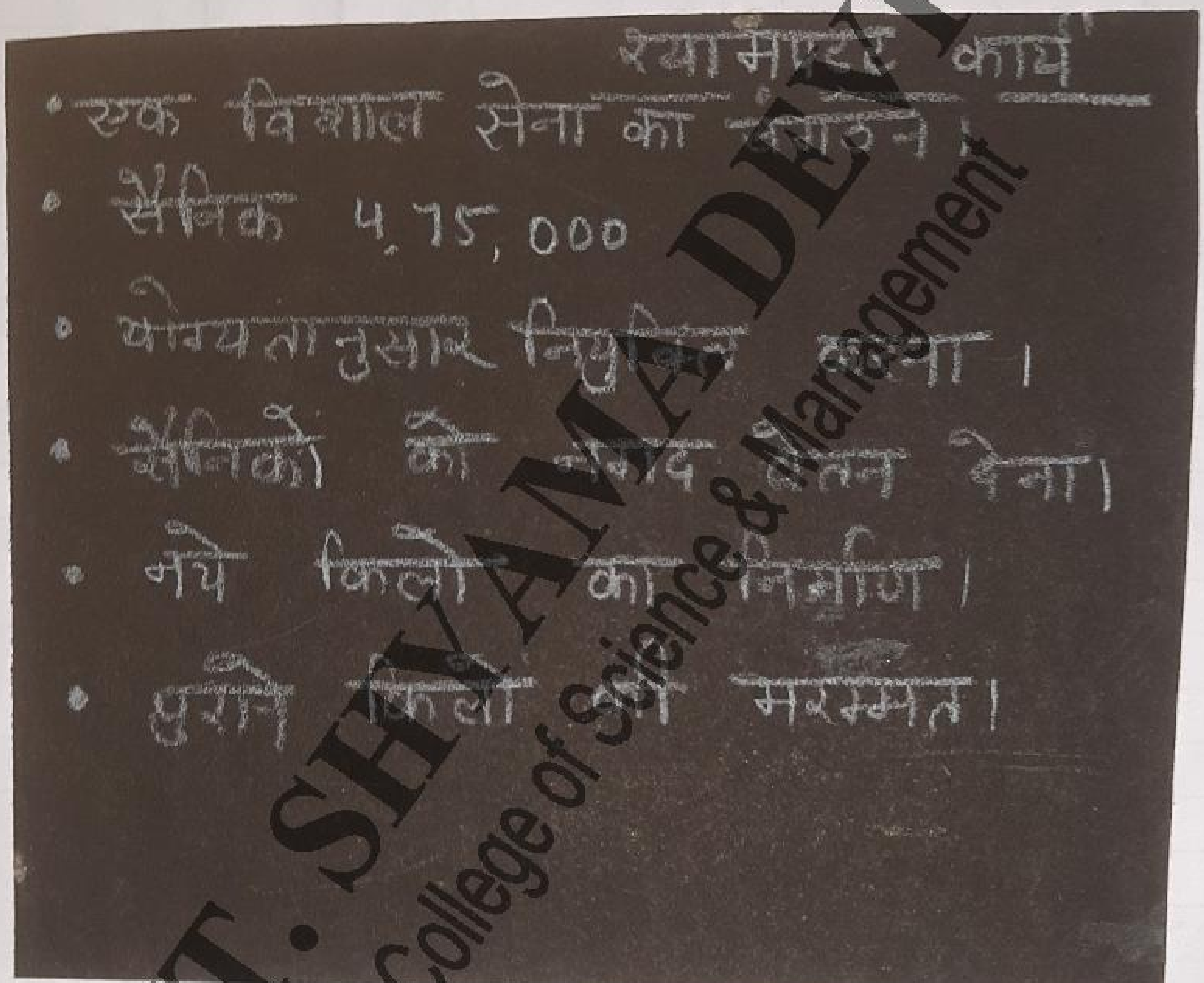

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

	उ०	उ० खिलजी वंश की स्थापना 1290 में जलालुद्दीन फिरोजशाह खि० ने की।	प्रश्नोत्तर प्रविधि	• एक विशाल सेना का संगठन।
	प्र०3. अलाउद्दीन कब दिल्ली का शासक बना?	उ० 1296 में दिल्ली का शासक बना।		• सैनिक 4,75,000
	प्र०4. अलाउद्दीन को किसका दखल देना पसंद नहीं था?	उ० अलाउद्दीन को धर्मगुरुओं का दखल देना पसंद नहीं था।	व्याख्या विधि	• योग्यतानुसार नियुक्ति करना
अलाउद्दीन खिलजी के सैन्य सुधार	विकासात्मक प्रश्न :- प्र० अलाउद्दीन की विजयों का श्रेय किसको जाता है?	छात्र उ० देंगे। उ० सुसंगठित सेना को		• सैनिकों को नगद वेतन देना
	प्र० 6. अलाउद्दीन खिलजी के सैन्य सुधार के विषय में आप क्या जानते हैं?	उ० छात्र निरुत्तर		• नये किलों का निर्माण करना।
		छात्र ध्यानपूर्वक पढ़ेंगे।		• पुराने किलों की मरम्मत करना।
	छात्राध्यापक कथन :- अलाउद्दीन खिलजी की विजयों का श्रेय उसकी सुसंगठित सेना को था। अलाउद्दीन ने एक विशाल स्थायी सेना का गठन किया। उसकी सेना में 4,75000 सैनिक थे। सैनिकों की नियुक्ति घुड़सवारी, शस्त्र चलाने की योग्यता पर की जाती थी। सैनिकों की हुलियों का पूर्ण विवरण रखा जाता था।		प्रश्नोत्तर विधि	

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

सैनिकों को नगद वेतन देने की प्रणाली अपनाई गई। उसने नये किलों का निर्माण करवाया तथा पुराने किलों की मरम्मत कराई।	छात्र उत्तर देंगे।			
बोधात्मक प्रश्न:				
प्र०1 अलाउद्दीन ने कैसी सेना संगठन किया	उत्तर एक विशाल स्थायी सेना का			
प्र०2 उसकी सेना में कितने सैनिक थे?	उ० 4,75,000 सैनिक थे।			
प्र०3 उसके शासनकाल में सैनिकों की नियुक्ति कैसी होती थी?	उ० योग्यता के आधार सैनिकों की नि० होती थी			
प्र०4 सैनिकों को वेतन कैसे दिया जाता था?	उ० सैनिकों को वेतन नगद वेतन के रूप में दिया जाता था?			

मूल्यांकन प्रश्न:

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न:-1 अलाउद्दीन खिलजी का जीवनपरिचय एवं सैन्य सुधार पर प्रकाश डालिए।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न-1- खिलजी वंश की स्थापना किसने की थी?

प्रश्न 2. खिलजी वंश की स्थापना कब हुई?

प्रश्न 3 अलाउद्दीन खिलजी की सेना में कितने सैनिक थे?

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

Date ....

Expt. No. .... Page No. ...07...

प्रश्न 4. अलाउद्दीन खिलजी कब सिंहासन पर बैठा ?
प्रश्न 5. सैनिकों को वेतन कैसे दिया जाता था ?

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. जलालुद्दीन की हत्या किसने की ?

(क) अलाउद्दीन (ख) बलबन (ग) गयासुद्दीन (घ) कुतुबद्दीन

2. अलाउद्दीन खिलजी को शासन में किसका दखल देना पसन्द नहीं था ?

(क) गुरुओं का (ख) धर्मगुरुओं का (ग) सेनाओं का

(घ) सैन्य संगठन का

गृहकार्य :-

छात्रों / खिलजी वंश पर विस्तारपूर्वक पढ़कर आना ।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

Date ....

Expt. No. .... Page No. 08

पाठ योजना - २

कक्षा - 8th दिनांक - 07/02/2020
विषय - इतिहास अवधि - 35 मि०
विद्यालय का नाम - श्रीमती श्यामादेवी डिग्री कॉलेज कालांश - V Period

प्रकरण : समाज सुधारक (नवजागरण काल)

सामान्य उद्देश्य :- पूर्ववत

शिक्षण बिन्दु	विशिष्ट उद्देश्य	अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन
1. ब्रह्म समाज (राजाराममोहन राय)	ज्ञानात्मक	1. छात्र समाज सुधारकों के वि० में प्रत्यास्मरण कर सकेंगे। 2. छात्र समाज सुधारक संस्थाओं के सिद्धान्तों की पहचान कर सकेंगे।
2. आर्य समाज (स्वामी दयानन्द)	अवबोधात्मक	1. छात्र महत्वपूर्ण एवं महत्वहीन सुधारों में अंतर स्पष्ट कर सकेंगे। 2. छात्र समाज सुधारक संस्थाओं की व्याख्या कर सकेंगे।
3. साइंटिफिक सोसाइटी (सर सय्यद अहमद खाँ)	अभिव्यक्त्यात्मक	1. छात्र नवजागरण काल के समाज सुधारकों से संबंधित पुस्तकों को पढ़ने में रुचि ले सकेंगे। 2. छात्र समाज सुधारक संस्थाओं के विषय में दिशा निर्देश प्राप्त कर सकेंगे।
4. रामकृष्ण मिशन (स्वामी विवेकानन्द)	कौशलात्मक	1. छात्र समाज सुधारकों के विषय में तर्क दे सकेंगे। 2. छात्र समाज सुधारकों के सिद्धान्तों के विषय में कौशल विकसित कर सकेंगे।
	अभिवृत्यात्मक	1. छात्र समाज सुधारकों से प्रेरणा लेकर समाज के प्रति प्रेम एवं सहयोग की भावना प्रस्तुत कर सकेंगे। 2. छात्र समाज सुधारकों के द्वारा बताये मार्ग पर चलकर समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने में समर्थ हो सकेंगे।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. 09

	अनुप्रयोगात्मक	1. छात्र समाज सुधारक संस्थाओं की समालोचना कर सकेंगे।
		2. छात्र समाज सुधारक संस्थाओं एवं अन्य संस्थाओं में तुलना कर सकेंगे।

सहायक सामग्री - समस्त कक्षोपयोगी सामग्री (चॉक, डस्टर, प्वाइंटर, लपेट श्यामपट्ट फलक) शीर्षक से संबंधित चार्ट।

पूर्वज्ञान :- छात्र पूर्व कक्षाओं में समाज सुधारकों के विषय में पढ़ चुके हैं अतः छात्र समाज सुधारकों के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :-

	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र / छात्रा क्रियाएँ
प्र01	भगवान श्री कृष्ण का जन्म कहाँ हुआ था?	उत्तर- भगवान श्रीकृष्ण का जन्म मथुरा में हुआ।
प्र02.	मथुरा कौन से देश में स्थित है?	उत्तर- मथुरा भारत देश में स्थित है।
प्र03.	भारतीय समाज में कौन सी कुरीतियाँ पुराने समय में व्याप्त थी?	उत्तर- भारतीय समाज में बाल विवाह, सती प्रथा, जाति प्रथा, अन्धविश्वास आदि कुरीतियाँ व्याप्त थी।
प्र04.	भारतीय समाज में व्याप्त कुरीतियों	उत्तर- समाज में व्याप्त कुरीतियों का विरोध करने वाले समाज सुधारक कहलाये।
प्र05.	प्रसिद्ध समाज सुधारक राम मोहन राय ब्रह्म समाज की स्थापना कब की थी।	उत्तर- छात्र अनुत्तरित।

उद्देश्य कथन :- बच्चों! आज हम भारत के प्रमुख (नवजागरण काल) समाज सुधारकों व उनकी संस्थाओं के विषय में अध्ययन करेंगे।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAM DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र / छात्राएँ क्रियाएँ	विधि / प्रविधि	सहायक सामग्री	श्याम पट्टकार्य
1. ब्रह्म समाज (राजा राममोहन राय)	विकासात्मक क्रिया प्र.1. भारतीय समाज सुधारकों के नाम बताओ?	छात्र उत्तर देंगे। उत्तर:- प्रमुख भारतीय समाज सुधारकों में राजा राममोहन राय, स्वामी दयानन्द सरस्वती, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानन्द आदि।	प्रश्नोत्तर प्रविधि	राजा राममोहन राय का चित्र	
	प्र.2 राजा राममोहन राय ने समाज सुधार के लिये क्या किया? (समस्यात्मक)	उत्तर- छात्र अनुत्तरित			
	छात्राध्यापक कथन- राजा राममोहन राय ने भारतीय समाज में सुधार के लिए 1828 में ब्रह्म समाज की स्थापना की इन्होंने समाज सुधार के अनेक कार्य किये तथा बाल दिवस विवाह, बहुपत्नी विवाह, जाति प्रथा, व्यक्ति बलि आदि का विरोध किया तथा यह विधवा पुनर्विवाह, अन्तर्जातीय तथा	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।			

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAM DEVI Degree College of Science & Management

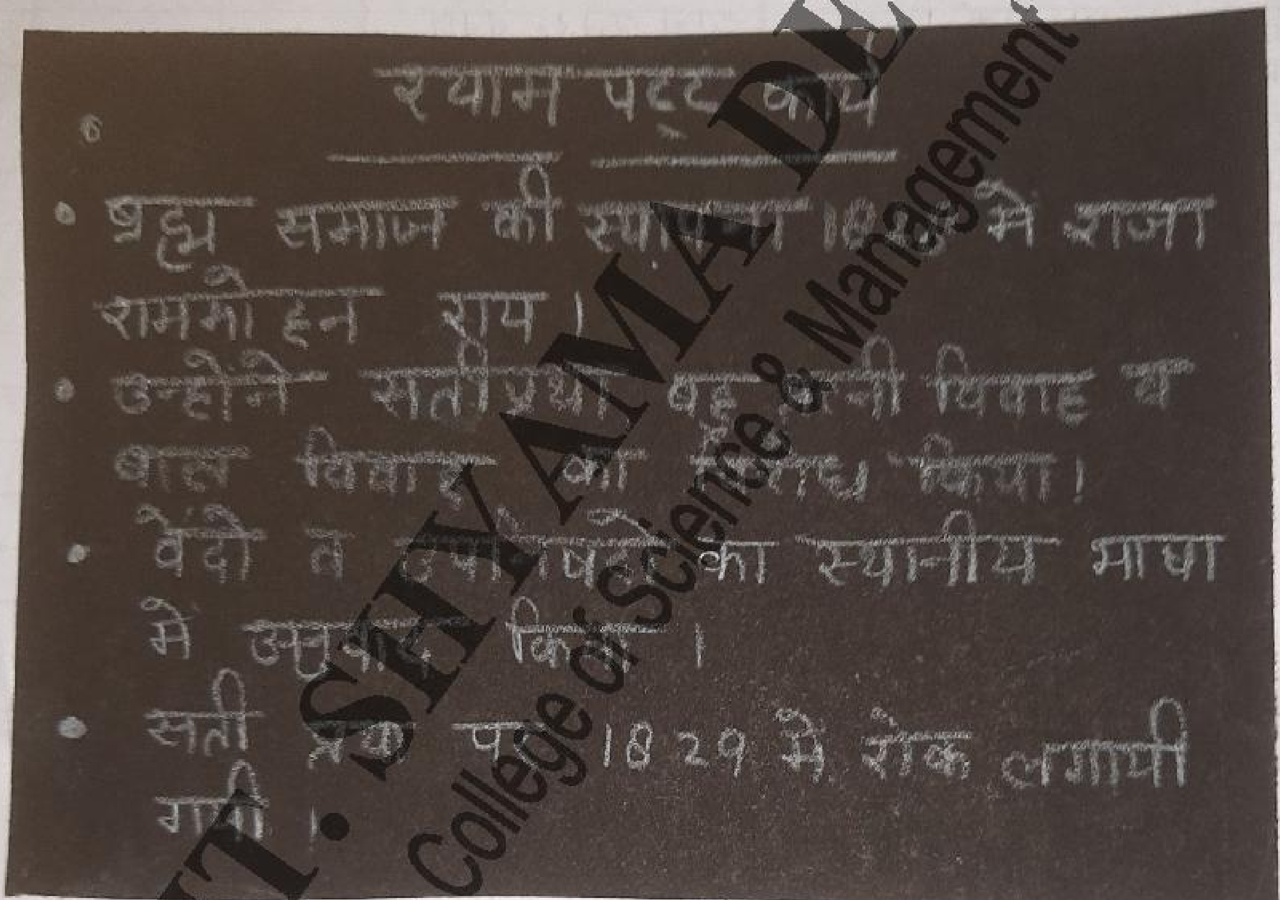

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र/छात्राएँ क्रियाएँ	विधि/प्रविधि	सहायक सामग्री	श्यामपट्ट कार्य
	तथा महिलाओं की शिक्षा के पक्षधर थे। मूर्तिपूजा तथा व्यर्थ के कर्मकाण्डों में विश्वास नहीं था। उन्होंने वेद तथा उपनिषदों का स्थानीय भाषा में अनुवाद किया। इनकी कोशिशों के कारण ही लार्ड बैंटिक ने 1829 में सती प्रथा को गैरकानूनी घोषित किया। अंग्रेजी विद्यालयों, हिन्दू कॉलेज, वेदान्त कॉलेज की स्थापना की।				• ब्रह्म समाज की स्थापना 1828 में राममोहन राय ने की थी। • उन्होंने सती प्रथा बहु विवाह तथा बाल विवाह का विरोध किया।
	बोधात्मक प्रश्न	छात्र उत्तर देंगे।	प्रश्नोत्तर प्रविधि		• वेदों तथा उपनिषदों का स्थानीय भाषा में अनुवाद किया।
	प्र०1 ब्रह्म समाज की स्थापना कब और कहाँ किसने की?	उत्तर :- ब्रह्म समाज की स्थापना राजा राममोहन ने 1828 में की थी।			
	प्र०2 राजा राममोहन राय ने समाज में प्रचलित किन प्रथाओं का विरोध किया?	उत्तर: राजा राममोहन राय ने बाल विवाह, सतीप्रथा, व्यर्थ की बलि जाति व्यवस्था आदि प्रचलित प्रथाओं का विरोध किया।			• सतीप्रथा पर 1829 में रोक लगायी गई।

Teacher's Signature : ....

श्यामपट्ट कार्य

- आर्य समाज की स्थापना स्वामी दयानन्द सरस्वती।
- सन. 1875 में आर्य समाज की स्थापना
- आर्य समाजियों का वेदों में विश्वास
- सत्यार्थ प्रकाश धार्मिक पुस्तक की रचना।
- हरिद्वार में गुरुकुल कांगड़ी विद्यालय की स्थापना।

SMT. SEIYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र / छात्राएँ क्रियाएँ	विधि / प्रविधि	सहायक सामग्री	श्यामपट्ट कार्य
	प्र०3 सती प्रथा को गैर कानूनी कब घोषित किया गया ?	उत्तर - सती प्रथा को 1829 में गैरकानूनी घोषित किया गया।	प्रश्नोत्तर विधि		
	प्र०4 राजा राममोहनराय किसकी शिक्षा के पक्षधर थे ?	उत्तर राजा राममोहन राय महिलाओं की शिक्षा के पक्षधर थे			
2.	आर्य समाज (स्वामी दयानन्द सरस्वती)				
	विकासात्मक प्रश्न :-				
		छात्र उत्तर देंगे।			
	प्र. वेदों तथा उपनिषदों का स्थानीय भाषा में अनुवाद किसने किया ?	उ० वेदों तथा उपनिषदों का स्थानीय भाषा में अनुवाद राजा राममोहन ने किया			
	प्र० वेदों को ज्ञान का खजाना किसने कहा था ?	उ० · छात्र निरुत्तर			
	कक्षाध्यापक व्याख्यान - स्वामी दयानन्द सरस्वती ने वेदों को ज्ञान का खजाना बताया तथा 1875 में बम्बई में आर्य समाज की स्थापना की। उन्होंने मूर्ति पूजा, जातिप्रथा तथा ब्राह्मण वर्चस्व का विरोध किया।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	व्याख्यान विधि	स्वामी दयानन्द का चित्र	• आर्यसमाज की स्थापना स्वामी दयानन्द सरस्वती	

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAM DEVI Degree College of Science & Management

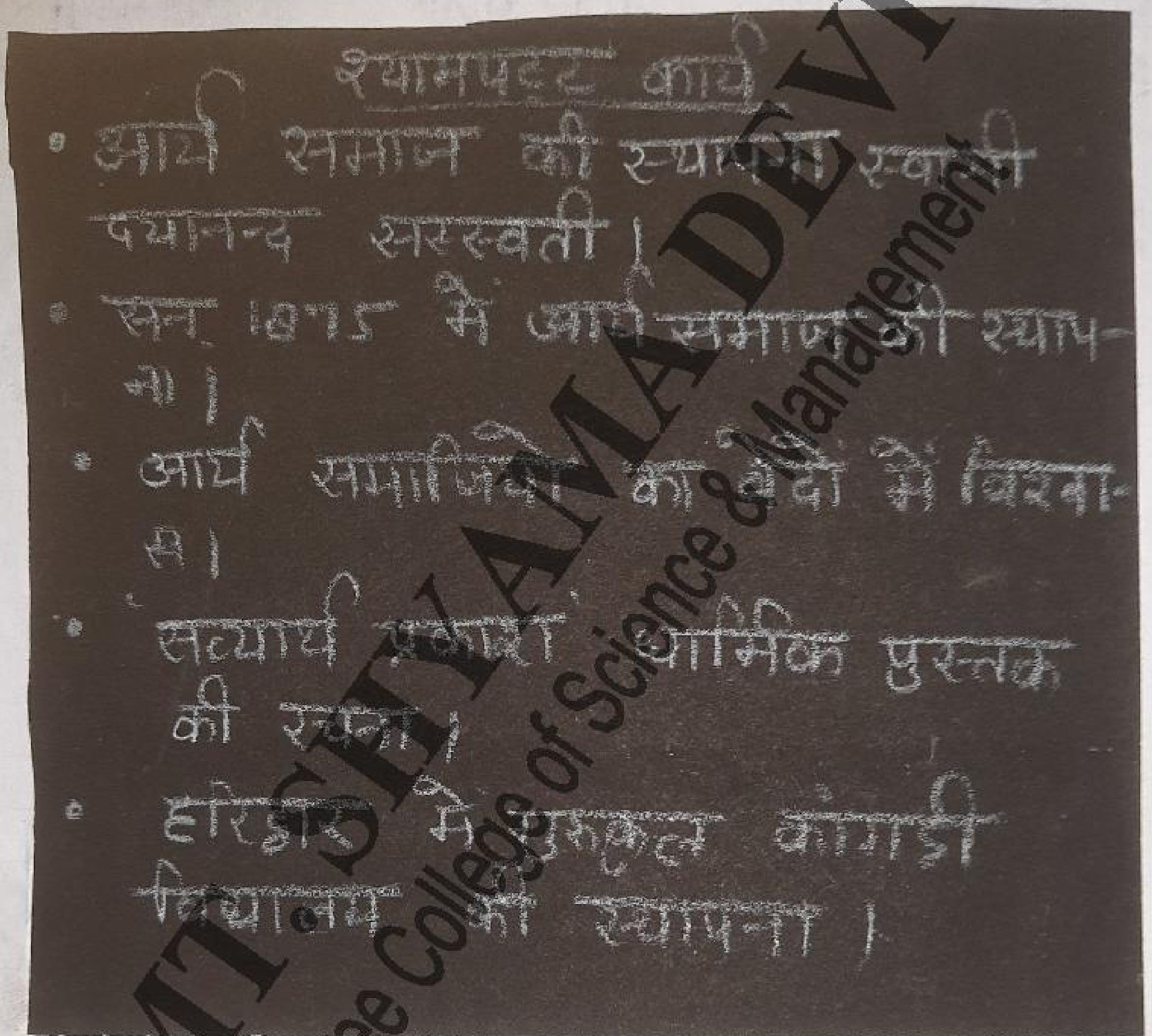

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

क्र.	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र/छात्राएं क्रियाएं	वि./प्र.	सू. सा.	श्यामपट्ट कार्य
	वह एक ईश्वर के पक्षधर थे। उन्होंने सत्यार्थ प्रकाश की रचना की। आर्य समाज द्वारा शिक्षा के प्रसार के लिये वि. खोले गये। गुरुकुल पद्धति को बनाये गये। गुरुकुल पद्धति को बनाये रखने के लिए हरिद्वार में गुरुकुल कांगड़ी को खोला गया। आर्यों की वैदिक संस्कृति को अपनाने पर जोर दिया।	छात्र उत्तर देंगे।		स्वामी दयानन्द का चित्र	• आर्य समाज की स्थापना सन 1875 में आर्य समाज की स्थापना।
	बोधात्मक प्रश्न -				• आर्य समाजियों को वेदों में विश्वास
	प्र०1 आर्य समाज की स्थापना किसने की थी?	उत्तर - आर्य समाज की स्थापना स्वामी दयानन्द सरस्वती ने की थी।			
	प्र०2 स्वामी दयानन्द ने किस धार्मिक पुस्तक की रचना की थी?	उत्तर. स्वामी दयानन्द सरस्वती ने सत्यार्थ प्रकाश नामक धार्मिक पुस्तक की रचना की।			• सत्यार्थ प्रकाश धार्मिक पुस्तक की रचना
	बोधात्मक प्रश्न -	छात्र उत्तर देंगे।	प्रश्नोत्तर विधि		
	प्र.1 आर्य समाज की स्थापना किसने की थी?	उत्तर. आर्य समाज की स्थापना स्वामी दयानन्द सरस्वती ने की थी।			• हरिद्वार में गुरुकुल कांगड़ी विद्यालय की स्थापना।
	प्र.2 स्वामी दयानन्द ने किस धार्मिक पुस्तक की रचना की थी?	उत्तर:- स्वामी दयानन्द सरस्वती ने सत्यार्थ प्रकाश नामक धार्मिक पुस्तक की रचना की			

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

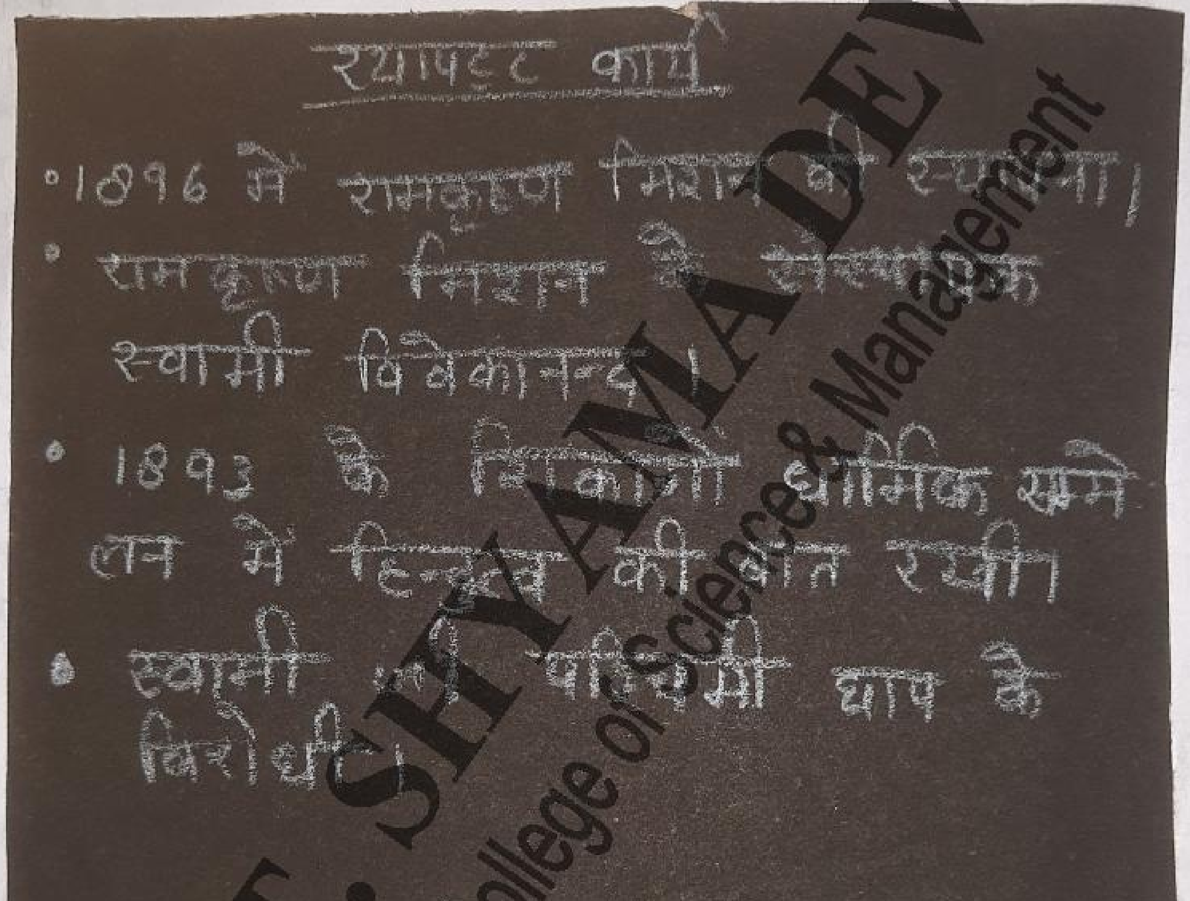

श्यामपट्ट कार्य

- 1896 में रामकृष्ण मिशन की स्थापना।
- रामकृष्ण मिशन के संस्थापक स्वामी विवेकानन्द थे।
- 1893 के शिकागो धार्मिक सम्मेलन में हिन्दुत्व की बात रखी।
- स्वामी जी पश्चिमी छाप के विरोधी थे।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

शि. वि.	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र / छात्राएँ क्रियाएँ	वि./प्र.	सहा. साम.	श्यामपट्ट कार्य
	प्र०३ आर्य समाज ने शिक्षा के प्रचार	उत्तर- आर्य समाज ने शिक्षा			•१८९६ में
	के लिये क्या किया?	के प्रसार के लिये विद्यालयों			राम कृष्ण
		की स्थापना की।			मिशन
	प्र०४ गुरुकुल कांगड़ी कहाँ खोला	उत्तर गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार			की स्था-
	गया?	में खोला गया।			पना।
३.	विकासात्मक प्रश्न	छात्र उत्तर देंगे।	प्रश्नो		•रामकृष्ण
राम	प्र०१. हरिद्वार में गुरुकुल कांगड़ी	उत्तर- हरिद्वार में गुरुकुल	त्तर		मिशन
कृष्ण	की स्थापना क्यों की गयी थी?	कांगड़ी की स्थापना भारत	प्रविधि		के संस्था-
मिशन		में गुरुकुल पद्धति को			पक स्वामी
स्वामी		बनाये रखने के लिये			विवेकानन्द
विवेका		की। छात्र निरुत्तर।		स्वामी	•१८९३ के
नन्द	प्र०२. स्वामी विवेकानन्द किसके	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	व्याख्यान	विवेका	शिकागो
	शिष्य थे? (समस्यात्मक)		विधि	नन्द का	धार्मिक
	छात्राध्यापक व्याख्यान:- स्वामी			चित्र	सम्मेलन
	विवेकानन्द रामकृष्ण परमहंस				में हिन्दुत्व
	के शिष्य थे। सन् १८९६ में				की बात
	रामकृष्ण परमहंस की स्थापना				रखी।
	की स्थापना की। स्वामी जी ने				•स्वामी
	१८९३ में शिकागो में विश्व धार्मिक				जी पश्चिमी
	सम्मेलन में हिन्दुत्व की बात रखी				छाप के
	वह भारतीय समाज में पश्चिमी				विरोधी।
	छाप के विरोधी थे। ये गर्व से कहते				
	थे "मैं भारतीय हूँ तथा प्रत्येक भा[illegible]				

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. 15

शि. बि.	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र/छात्राएँ क्रियाएँ	विधि/प्रविधि	सहायक सामग्री	
	माई हो। उन्होंने मानवता, स्वतन्त्रता तथा समानता की शिक्षा दी। उन्होंने ज्ञान, भक्ति, योग तथा कर्म पर विशेष बल दिया। उन्होंने वैज्ञानिक सोच को महत्व दिया				
	बोधात्मक प्रश्न -	छात्र उत्तर देंगे			
	प्र01. रामकृष्ण मिशन की स्थापना किसने की?	उ0- रामकृष्ण मिशन की स्थापना स्वामी विवेकानन्द ने की।			
	प्र02. सन् 1893 के विश्वविद्यालय सम्मेलन में स्वामीजी ने किसकी बात रखी।	उ0. 1893 के शिकागो के धार्मिक सम्मेलन में स्वामी जी ने हिन्दुत्व की बात रखी।			
	प्र03. स्वामी विवेकानन्द ने किसकी शिक्षा दी?	उ0 स्वामी विवेकानन्द ने मानवता, स्वतन्त्रता तथा समानता की शिक्षा दी।			
	प्र03 स्वामी विवेकानन्द ने किस प्रकार की सोच को महत्व दिया।	उ0 स्वामी जी ने वैज्ञानिक सोच को महत्व दिया।		सर सय्यद	
4. आइ	विकासात्मक प्रश्न -	छात्र उत्तर देंगे।		अहमद	
विफ	प्र01 मुस्लिम समाज सुधारक का नाम बताइए।	उ0- सर सय्यद अहमद खाँ।	प्रश्नो-	खाँ	
कसो			त्तर	का	
साइ	प्र02. सर सय्यद अहमद खाँ ने क्या कार्य किये? (समस्यात्मक)	उ0 छात्र निरुत्तर।	प्रविधि	चित्र	
सर सय्य खाँ)	छात्राध्यापक व्याख्यान - 1864 में सर सय्यद अहमद खाँ ने				

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

क्र. सं.	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र / छात्राएँ क्रियाएँ	वि. / प्रविधि	सहायक सामग्री	श्यामपट्ट कार्य
	साइंटिफिक सोसायटी की स्थापना की इसका नाम बाद में वैज्ञानिक समाज रखा गया। ये पश्चिमी शिक्षा के पक्ष में थे तथा मुसलमानों में पर्दा प्रथा बहुविवाह, आसान तलाक व्यवस्था के विरुद्ध थे। इन्होंने मुसलमानों के लिए अंग्रेजी शिक्षा की वकालत की और आधुनिक विचारों को अपनाने एवं पश्चिमी विज्ञान पढ़ाने की बात कही। इन्होंने मुसलमानों के लिए अलीगढ़ में एंग्लो ओरियण्टल कॉलेज विद्यालय खोला जो बाद में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के नाम से जाना गया।	छात्र उत्तर देंगे।			
	बोधात्मक प्रश्न		प्रश्नोत्तर प्रविधि		
प्र०1	साइंटिफिक सोसायटी की स्थापना किसने और कब की?	उ० साइंटिफिक सोसायटी की स्थापना सर सय्यद अहमद खां ने 1864 में की।			

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

प्र०2. ऐंग्लो ओरियण्टल विद्यालय को वर्तमान में किस नाम से जाना जाता है?	उ० ऐंग्लो ओरियण्टल विद्यालय को वर्तमान में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाता है।
प्र०3. ये किस प्रकार की शिक्षा के पक्ष में है?	उत्तर. ये पश्चिमी शिक्षा के पक्ष में थे।
प्र०4. इन्होंने किसके लिये अंग्रेजी शिक्षा की वकालत की थी?	उ०. इन्होंने मुसलमानों के लिये अंग्रेजी शिक्षा की वकालत की थी।

मूल्यांकन प्रश्न :-

प्र०1. सती प्रथा को रोकने का कानून कब बनाया गया है?
प्र०2. आर्य समाज की समाज की स्थापना कब गयी?
प्र०3. आर्य सामाजियों ने किसका विरोध किया?
प्र०4. किसने कहा था "मैं भारतीय हूँ और प्रत्येक भारतीय
प्र०5. ज्ञान भक्ति, योग तथा कर्म पर किसने बल दिया?
प्र०6. वैज्ञानिक समाज का पूर्व नाम क्या रखा गया?
प्र०7. ब्रह्म समाज, आर्य समाज, राम कृष्ण मिशन, साइंटिफिक सोसायटी से सम्बन्धित व्यक्तियों के नाम बताइये।

गृहकार्य :

बच्चों! घर से समाज सुधारकों एवं उनके आन्दोलन के बारे में विस्तारपूर्वक पढ़कर आना।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

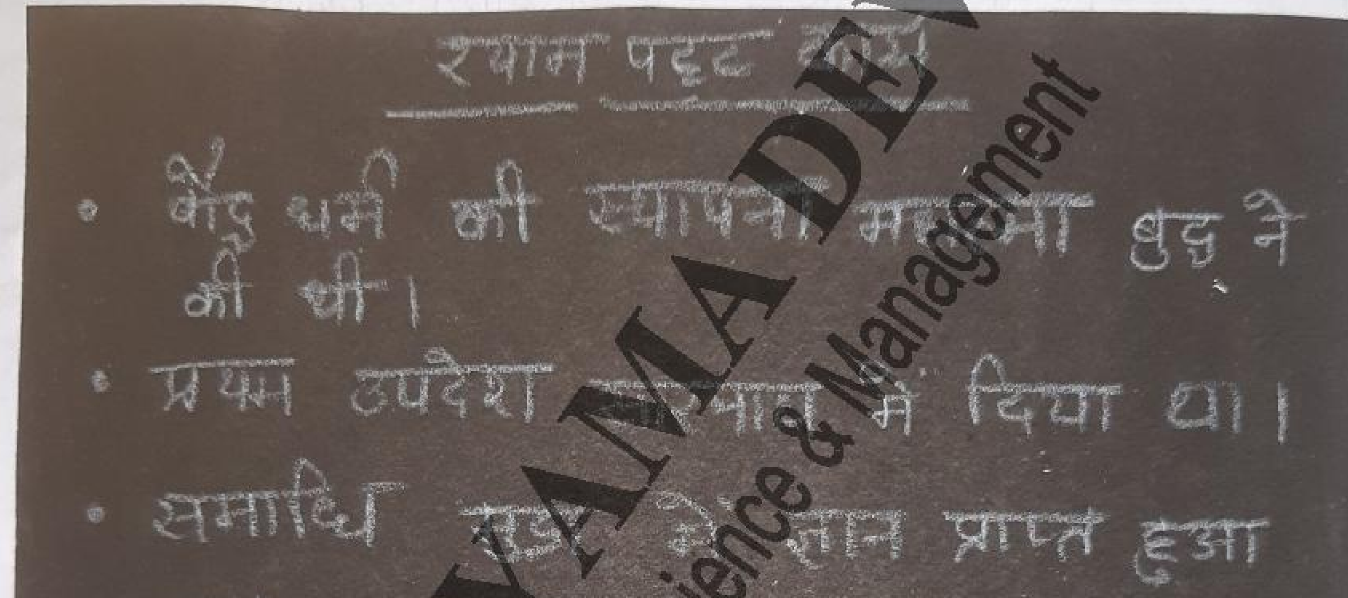

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. 18

पाठ योजना - 3

कक्षा - VIII

विषय - इतिहास **दिनांक** 09/12/2020

विद्यालय का नाम - श्रीमती श्यामा देवी डिग्री कॉलेज **अवधि** 35 मिनट

प्रकरण : बौद्ध धर्म **कालांश** - IV Period.

सामान्य उद्देश्य - पूर्ववत

विशिष्ट उद्देश्य - अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन।

शिक्षण बिन्दु	वि. उद्देश्य	अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन
1. महात्मा बुद्ध व बौद्ध धर्म का परिचय	ज्ञानात्मक	1. छात्र प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।
		2. छात्र मानचित्र, चार्ट आदि पर प्रदर्शन कर पहचान कर सकेंगे।
2. बौद्ध धर्म का सिद्धान्त	अवबोधात्मक	1. छात्र बौद्ध धर्म की व्याख्या कर सकेंगे।
		2. छात्र दिशा-निर्देश कर सकेंगे।
	कौशलात्मक	1. छात्र बौद्ध धर्म के सिद्धान्तों के विषय में कौशल विकसित कर सकेंगे।
		2. छात्र चित्रों, रेखाचित्रों आदि में आवश्यक वि. को पहचान सकेंगे।
	अभिरुच्यात्मक	1. छात्रों में बौद्ध धर्म के विषय में जानने तथा अध्ययन करने की रुचि
		2. छात्र बौद्ध धर्म के विषय में रुचिपूर्वक तर्क एवं वाद-विवाद कर सकेंगे।
	अभिवृत्यात्मक	1. बौद्ध धर्म एवं संस्कृति के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति विकसित कर सकेंगे।
		2. छात्र ऐतिहासिक सामग्री के आधार पर बौद्ध धर्म के सम्बन्ध में निष्कर्ष निकालने की अभि. विकसित करेंगे।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

आवश्यक सामग्री : समस्त कक्षोपयोगी सामग्री एवं उपकरण से संबंधित चार्ट इत्यादि।

पूर्व-ज्ञान - छात्र बौद्ध धर्म के विषय में जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :-

	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र / छात्राएं क्रियाएं
प्र01	भारत में कितने धर्मों के लोग रहते हैं?	उ० भारत में अनेक धर्मों के लोग रहते हैं।
प्र02	श्री राम चन्द्र किस धर्म के राजा थे?	उ० हिन्दू धर्म के राजा थे।
प्र03	अकबर किस धर्म का अनुयायी था?	उ० मुस्लिम धर्म का अनुयायी था।
प्र04	गौतम बुद्ध किस धर्म के अनुयायी थे?	उ० बौद्ध धर्म के अनुयायी थे।
प्र05	बौद्ध धर्म के विषय में आप क्या जानते हैं?	उ० छात्र अनुत्तरित

उद्देश्य कथन :- बच्चों ! आज हम बौद्ध धर्म के विषय में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

सहायक सामग्री :- महात्मा बुद्ध का चित्र

विधि / प्रविधि :- प्रश्नोत्तर प्रविधि / व्याख्यान विधि

	शि० बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र छात्राएं क्रियाएं
1.	महात्मा बुद्ध व बौद्ध धर्म का परिचय	प्र०1 बौद्ध धर्म के संस्थापक कौन था? प्र०2 महात्मा बुद्ध का जन्म किस ई० में हुआ था? (समस्यात्मक) छात्राध्यापक व्याख्यान - ईसा पूर्व छठी शताब्दी में धार्मिक आन्दोलन	उ० छात्र अनुत्तरित रहेंगे। छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. 20

को प्रबलन रूप हुआ बौद्ध धर्म की शिक्षाओं में पाते हैं। बौद्ध धर्म के संस्थापक महात्मा बुद्ध थे। इनका जन्म कपिलवस्तु के निकट लुम्बिनी नाम ग्राम में हुआ था। इनके बचपन का नाम सिद्धार्थ था। पिता का नाम शुद्धोधन व माता का नाम महामाया था पत्नी का नाम यशोधरा व पुत्र का नाम राहुल था। 29 वर्ष की आयु में सत्य की खोज में गृह त्याग किया। यह घटना महाभिनिष्क्रमण के नाम से प्रसिद्ध है। उरुवेला में पीपल के नीचे इन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ सारनाथ में प्रथम उपदेश दिया। 483 ई० में इनका देहावसान हो गया। यह घटना महापरिनिर्वाण के नाम से प्रसिद्ध है। बौद्ध धर्म से प्रभावित होकर कनिष्क ने इसे राजकीय धर्म बनाया।

छात्र उत्तर देंगे।

बोधात्मक प्रश्न -

प्रश्न	उत्तर
प्र01 - महात्मा बुद्ध का जन्म किस ग्राम में हुआ था?	उत्तर: लुम्बिनी ग्राम में हुआ था।
प्र02: महात्मा बुद्ध को किस वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ था?	उ० पीपल वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ।
प्र03: महात्मा बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश कहाँ दिया था?	उ० सारनाथ में दिया था
प्र04: देहावसान की घटना को क्या कहते हैं?	उ० महानिर्वाण कहते हैं।

विकासात्मक प्रश्न

प्रश्न	उत्तर
प्र0. सारनाथ में बुद्ध ने किस धर्म का उपदेश दिया था।	बौद्ध धर्म का उपदेश दिया था।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHIV... DEVI Degree College of Science & Management

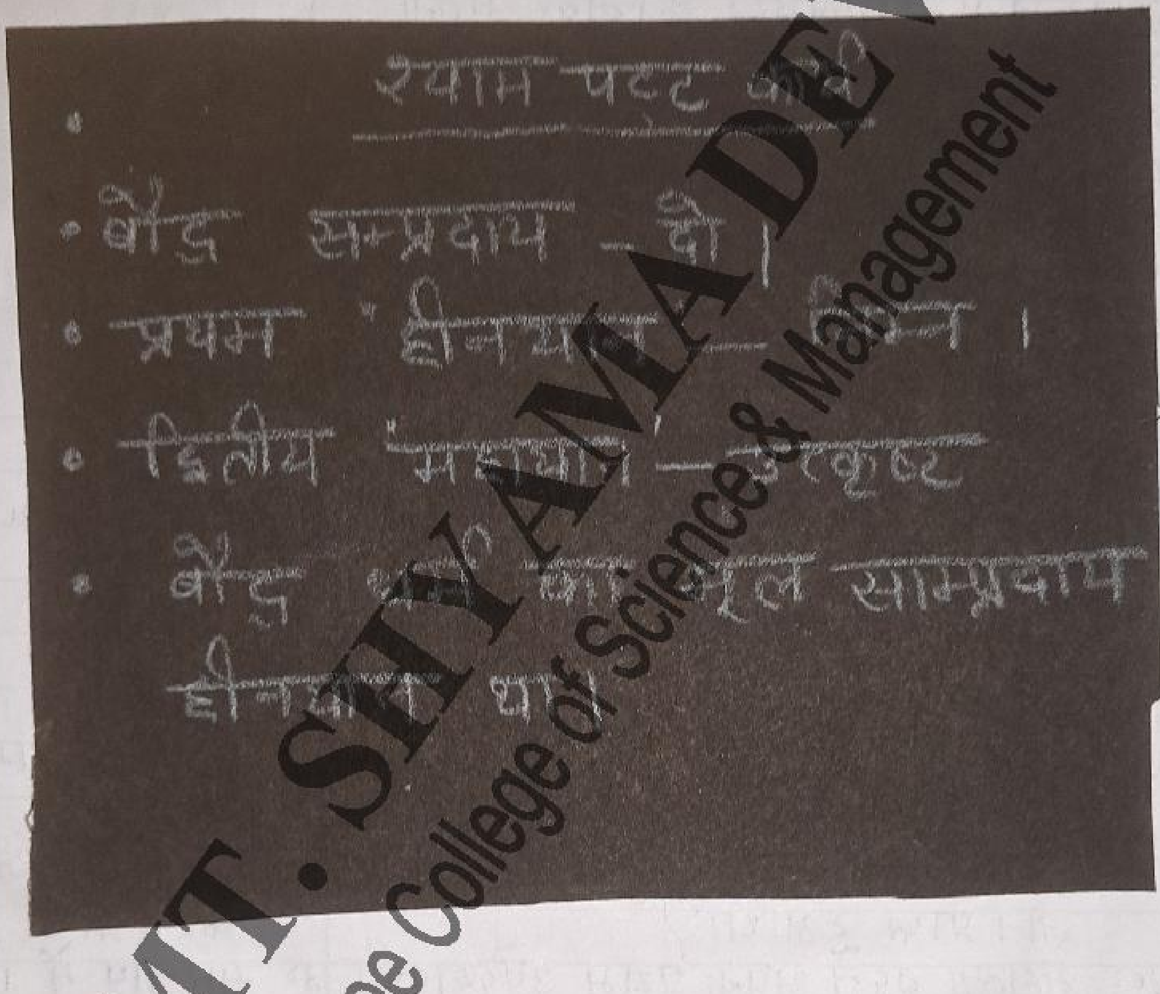

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

शि.बि	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र/छात्राएँ क्रियाएँ
	प्र०2. बौद्ध धर्म के क्या सिद्धान्त थे? (समस्यात्मक)	छात्र अनुत्तरित।
बौद्ध धर्म के सिद्धान्त	छात्राध्यापक व्याख्यान - बुद्ध ने चार आर्य सत्यों का उपदेश दिया (I) जीवन में दुःख ही दुःख है (II) दुःख का कारण तृष्णा है (III) दुःख दूर करने के लिये कारण का निवारण आवश्यक है। (IV) दुःख निरोधक मार्ग अष्टांगिक मार्ग कहलाती है। अष्टांगिक मार्ग :- सम्यक दृष्टि, संकल्प, वचन, कर्म, जीविका (आजीविका), व्यायाम, स्मृति, समाधि। दस शील - सत्य, अहिंसा, चोरी न करना, धन संग्रह न करना, ब्रह्मचर्य का पालन, नृत्य और संगीत का त्याग, सुगंधित पदार्थों का त्याग, असमय भोजन न करना, कामिनी स्वर्ण कंचन का त्याग, ईश्वर में अविश्वास, कर्मवाद, जातिपाँति का विरोध, निर्वाण प्राप्ति। चार बौद्ध धर्मों की महासंगीतियाँ हुई 483 ई. अजातशत्रु, 383 ई. कालाशोक, 251 ई. पू. सम्राट अशोक, प्रथम शताब्दी कनिष्क।	छात्र उत्तर देंगे।
	बोधात्मक प्रश्न	
	① प्र. बुद्ध ने कितने आर्य सत्यों का उपदेश दिया था?	उ०. चार आर्य सत्य।
	प्र.2. अष्टांगिक मार्ग कितने बताये गये थे?	उ० . आठ।
	प्र.3. बौद्ध धर्म की कितनी महासंगीतियाँ हुई?	उ० . चार।
	प्र.4. अंतिम महासंगीति किसके शासन काल में हुई थी?	उ० कनिष्क।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. 22

मूल्यांकन प्रश्न :-

प्रश्न1 महात्मा बुद्ध के बचपन का क्या नाम था?
प्रश्न2 सत्य की खोज के लिये बुद्ध ने क्या किया था?
प्र03 बुद्ध ने कितने आर्य सत्यों को बताया है?
प्र04 बौद्ध धर्म की कितनी महासंगीतियाँ हुई थी?
प्र05 बुद्धने अपना प्रथम उपदेश कहाँ पर दिया था?

गृहकार्य :-
छात्र बौद्ध धर्म एवं महात्मा बुद्ध का अध्ययन करके आयेगा।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठ योजना - ५.

दिनांक - 10/02/2020

कक्षा - VII

अवधि - 1 घंटा

विषय - इतिहास

कालांश -

विद्यालय का नाम - श्रीमती श्यामा देवी डिग्री कॉलेज ऑफ साइन्स एण्ड मैनेजमेंट

प्रकरण : जैन धर्म

शिक्षण बिन्दु :

① महावीर स्वामी का जीवन परिचय
② जैन धर्म के सिद्धान्त

विशिष्ट उद्देश्य	अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन
ज्ञानात्मक	① छात्र प्रत्यास्मरण कर सकेंगे। ② छात्र चार्ट आदि पर प्रदर्शित कर पहचान सकेंगे।
अवबोधात्मक	① जैन धर्म की व्याख्या कर सकेंगे। ② छात्र दिशा निर्देश कर सकेंगे।
कौशलात्मक	① छात्र जैन धर्म के सिद्धान्तों के विषय में कौशल विकसित कर सकेंगे। ② छात्रों में चित्रों रेखाचित्रों आदि में आवश्यक विवरण को पहचान सकेंगे।
अभिरुच्यात्मक	① छात्रों में जैन धर्म के विषय जानने तथा अध्ययन करने की रुचि उत्पन्न होगी।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....   Page No. 24

② छात्र जैन धर्म के विषय में जानने तथा रुचिपूर्वक तर्क एवं विवाद कर सकेंगे।

अभिवृत्यात्मक ① छात्र जैन धर्म एवं संस्कृति के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति विकसित कर सकेंगे।
② छात्र ऐतिहासिक सामग्री के आधार पर जैन धर्म के सम्बन्ध में निष्कर्ष निकालने की अभिवृत्ति करेंगे।

अनुप्रयोगात्मक ① छात्र अपने जीवन में जैन धर्म की विशेषताओं का प्रयोग कर सकेंगे।
② छात्र बौद्ध धर्म की उचित नीतियों को अपनहित में प्रयोग कर सकेंगे।

सहायक सामग्री:
समस्त कक्षोपयोगी सामग्री (चॉक, डस्टर, लपेट श्यामपट्ट) एवं प्रकरण से सम्बन्धित चार्ट इत्यादि।

पूर्व ज्ञान:
छात्र जैन धर्म के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना:

छात्राध्यापक क्रिया	छात्र / छात्राएँ क्रियाएँ
प्र०१ भारत में कितने धर्म प्रचलित हैं?	हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई। बौद्ध धर्म, जैन धर्म
प्र०२ हिन्दू धर्म में कौन-कौन से धर्म हैं?	
प्र०३ बौद्ध धर्म के संस्थापक कौन हैं?	महात्मा बुद्ध
प्र०४ वर्धमान महावीर किस धर्म के संस्थापक हैं?	जैन धर्म के
प्र० जैन धर्म के विषय में आप क्या जानते हैं?	छात्र निरुत्तर

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

श्यामपट्ट कार्य

- महावीर का जन्म 540 ई.पू. वैशाली के निकट कुण्डग्राम में।
- 72 वर्ष की आयु में पावापुरी में निर्वाण की प्राप्ति।
- महान पराक्रमी होने के कारण महावीर।
- सर्वोच्च ज्ञान (कैवल्य) की प्राप्ति जम्भिय ग्राम के निकट ऋजुपालिका सरिता के तट पर।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

शिक्षण बिन्दु:- महावीर स्वामी का जीवन परिचय।

विधि / प्रविधि:- प्रश्नोत्तर प्रविधि, व्याख्यान विधि

सहायक सामग्री:- महावीर स्वामी का चित्र

छात्राध्यापक क्रिया	छात्र / छात्राएँ क्रियाएँ
विकासात्मक प्रश्न-	छात्र उत्तर देंगे।
प्र०1 जैन धर्म का संस्थापक कौन था?	उ०- जैन धर्म के संस्थापक वर्धमान महावीर थे।
प्र०2- महावीर स्वामी का जन्म कहाँ हुआ? (समस्यात्मक)	उ०- छात्र अनुत्तरित।
छात्राध्यापक व्याख्यान:-	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।
महावीर स्वामी का जन्म वैशाली के निकट कुण्डग्राम के एक क्षत्रिय राज-परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम सिद्धार्थ तथा माता का नाम त्रिशला था। 30 वर्ष की आयु में महावीर स्वामी सत्य की खोज में घर परिवार छोड़कर निकल पड़े। 12 वर्ष की कठिन तपस्या के बाद जृम्भिय ग्राम के निकट ऋजुपालि सरिता के तट पर इन्हें कैवल्य (सर्वोच्च ज्ञान) की प्राप्ति हुई। इंद्रियों को जीतने के कारण यह जिन तथा महान पराक्रमी होने कारण महावीर कहलाए।	

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

श्यामपट्ट कार्य

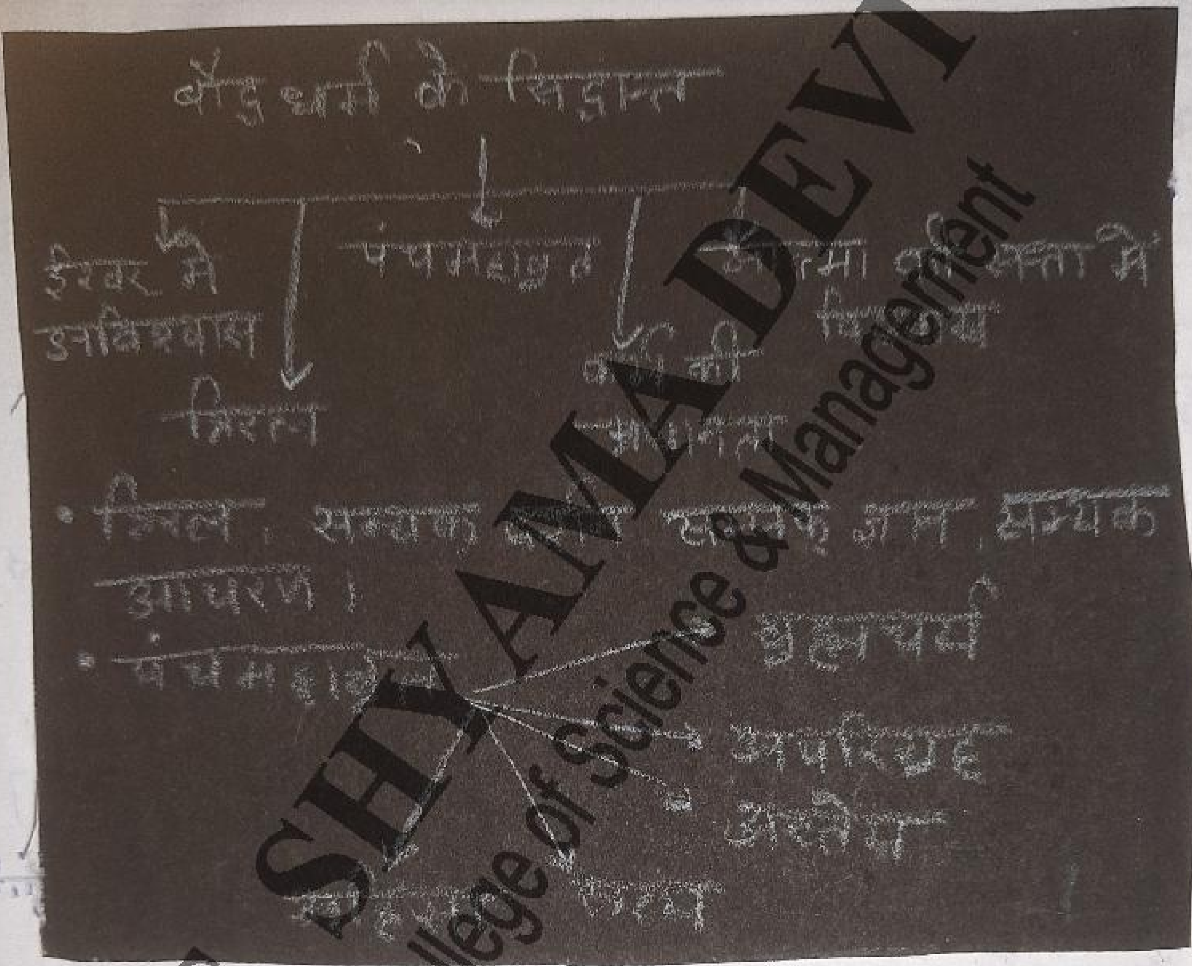

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. 26

30 वर्षों तक इन्होंने अपने धर्म का प्रचार किया और अन्त में 72 वर्ष की आयु में राजगृह के समीप पावापुरी में इन्हे निर्वाण की प्राप्ति हुई। इनके जन्म व मृत्यु के संबंध में मतैक्य नहीं है। कुछ विद्वान इनका जन्म 546 ई० पू० और कुछ 599 ई० ई० पू० मानते हैं।	छात्र उत्तर देंगे।
बोधात्मक प्रश्न —	
प्र०1. इनका नाम महावीर क्यों पड़ा?	उत्तर महान पराक्रमी होने के कारण इनका नाम महावीर पड़ा।
प्र०2 महावीर स्वामी का जन्म कब और कहाँ हुआ?	उ० 540 ई० पू० में वैशाली के निकट कुण्डग्राम में एक क्षत्रिय राज परिवार में हुआ था।
प्र०3 महावीर स्वामी को निर्वाण की प्राप्ति कब और कहाँ हुई।	उ० 72 वर्ष की आयु में राजगृह के समीप पावापुरी में निर्वाण की प्राप्ति हुई।
प्र०4 महावीर स्वामी की मृत्यु कब हुई	उ० महावीर स्वामी की मृत्यु 468 ई० में हुई।

शिक्षण बिन्दु: जैन धर्म के सिद्धान्त

विधि / प्रविधि:- प्रश्नोत्तर प्रविधि, व्याख्यान विधि

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

छात्राध्यापक क्रिया	छात्र / छात्राएँ क्रियाएँ
विकासात्मक प्रश्न	
प्र०1 महावीर स्वामी के लिए जिन शब्द का प्रयोग क्यों किया गया?	छात्र उत्तर देंगे। उ०) इंद्रियों को जीतने के कारण वह जिन कहलाएगा
प्र०2 महावीर स्वामी की शिक्षाओं से आप क्या समझते हैं? (समस्यात्मक)	उ०) छात्र अनुत्तरित
छात्राध्यापक व्याख्यान - जैन धर्म के सिद्धान्त वास्तव में महावीर स्वामी की शिक्षाएँ ही हैं:	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे
① ईश्वर में अविश्वास: जैन धर्म के अनुसार सृष्टिकर्ता ईश्वर नहीं है, सृष्टि अनादि काल से विद्यमान है। संसार के सभी प्राणी अपने अपने संचित कर्मों के अनुसार फल भोगते हैं। कर्मफल ही जन्म और मृत्यु का कारण है। कर्मफल से छुटकारा प्राप्त करने के लिये त्रिरत्न का अनुशीलन करना आवश्यक बताया गया है।	
② त्रिरत्न: सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन और सम्यक आचरण (चरित्र) जैन धर्म के त्रिरत्न हैं। सम्यक ज्ञान का अर्थ सत एवं तीर्थंकरों में विश्वास तथा सांसारिक विषयों से उत्पन्न सुख दुःख के प्रति समभाव ही सम्यक् आचरण है।	

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

श्याम पट्ट कार्य

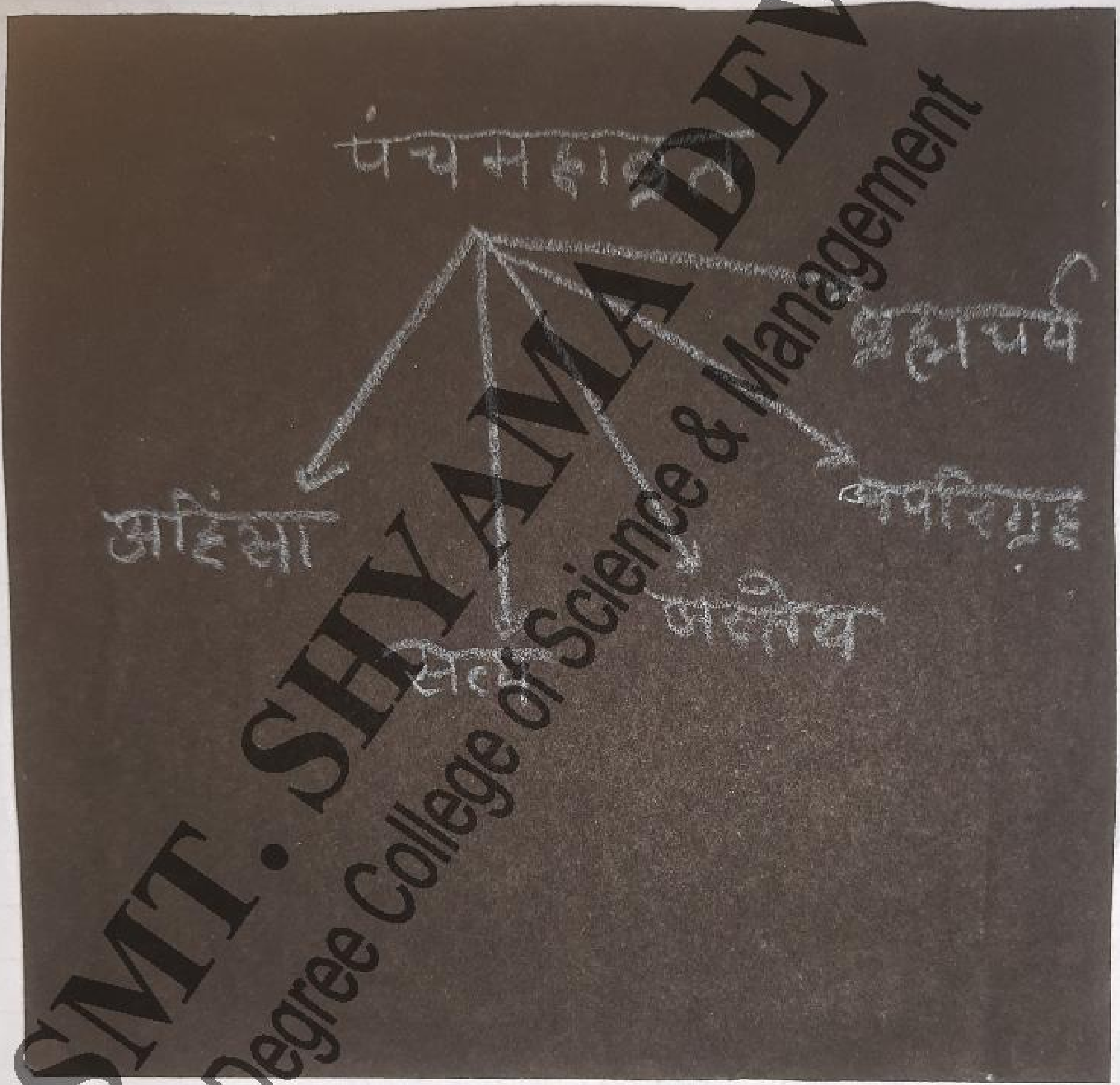

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

(3) **पंचमहाव्रत** :- अहिंसा, सत्य, अस्तेय, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य। जैन धर्म में मोक्ष प्राप्ति के लिये पंचमहाव्रतों का पालन अनिवार्य माना गया है।

(4) **कर्म की प्रधानता** :- कर्म बन्धन तीन बलों मन-बल वचन-बल और काय-बल के द्वारा स्वीकार किया गया है।

(5) **आत्मा की सत्ता में विश्वास** :- प्रत्येक जीव में आत्मा स्थायी अजर अमर होती है।

वैधात्मक प्रश्न-

प्र० (1) जैन धर्म के प्रमुख सिद्धान्तों के नाम बताओ।
उ० जैन धर्म के प्रमुख सिद्धान्त ईश्वर में अविश्वास, त्रिरत्न, पंच महाव्रत, कर्म की प्रधानता, आत्मा की सत्ता में विश्वास।

प्र० 2 त्रिरत्न से क्या अभिप्राय है?
उ० सम्यक् ज्ञान, सम्यक् दर्शन, और सम्यक् आचरण जैन धर्म के त्रिरत्न हैं।

प्र० 3 अहिंसा, सत्य, अस्तेय, अपरिग्रह तथा ब्रह्मचर्य किसकी प्राप्ति के लिये अनिवार्य माने गये हैं?
उ० सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन और सम्यक आचरण जैन धर्म के त्रिरत्न हैं।

प्र० 4 सम्यक् दर्शन का अर्थ बताइए।
उ० पंचमहाव्रत की प्राप्ति के लिये अनिवार्य माने गये हैं।

प्र० 5 सम्यक् दर्शन का अर्थ बताइए।
उ० सम्यक् दर्शन का अर्थ सत. तीर्थंकरों में विश्वास।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. 29

मूल्यांकन प्रश्न :-

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :-

प्र01 महावीर स्वामी का जीवन परिचय बताते हुए उनके सिद्धान्तों का वर्णन कीजिये।

प्र02 महावीर स्वामी का जन्म कहाँ और कब हुआ?

प्र03 जैन धर्म के सिद्धान्तों के नाम बताइए।

प्र04 त्रिरत्न से क्या अभिप्राय है?

गृहकार्य :-

जैन धर्म पर विस्तारपूर्वक घर से पढ़कर आएँ।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

पाठ योजना - 5

कक्षा - VIII

विषय : इतिहास

दिनांक - 11/02/2024

अवधि

कालांश -

विद्यालय का नाम - श्रीमती श्यामादेवी डि० का० ऑफ साइन्स एण्ड मैनेजमेन्ट

प्रकरण - सिन्धु सभ्यता

सामान्य उद्देश्य :- पूर्ववत ।

शिक्षण बिन्दु :-

① सिन्धु घाटी सभ्यता ② सिन्धु सभ्यता की विशेषताएं ③ सिन्धु सभ्यता का सामाजिक जीवन

विशिष्ट उद्दे०	अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन
ज्ञानात्मक	1. छात्र सिन्धु सभ्यता के विषय में प्रत्यास्मरण कर सकेंगे। 2. छात्र सिन्धु सभ्यता के समयावधि की पहचान कर सकेंगे।
अवबोधात्मक	1. छात्र सिन्धु सभ्यता की व्याख्या कर सकेंगे। 2. छात्र सिन्धु सभ्यता के विषय में दिशा - निर्देश कर सकेंगे।
कौशलात्मक	1. छात्रों में सिन्धु घाटी की सभ्यता की सामाजिक व्यवस्था को चार्ट द्वारा प्रदर्शित करने का कौशल विकसित कर सकेंगे। 2. छात्र सिन्धु घाटी की सभ्यता की विशेषताओं से परिचित हो कौशल प्राप्त करने में सक्षम हो सकेंगे।
अभिरूच्यात्मक	① छात्रों में सिन्धु सभ्यता के समय के बारे में जानकारी प्राप्त करने की रुचि विकसित हो सकेगी।

SMT SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

	(2) छात्र सिन्धु सभ्यता के विषय में जानकारी प्राप्त करने की रुचि विकसित हो सकेगी।
अभिवृत्यात्मक	(1) छात्रों में सिन्धुकालीन ऐतिहासिक सामग्री के आधार पर ऐतिहासिक घटनाओं के संबंध में निष्कर्ष निकालने की अभिवृत्ति विकसित हो सकेगी।
	(2) छात्र सिन्धु सभ्यता के समय के विषय में जाँच कर सकेगा।
अनुप्रयोगात्मक	(1) छात्र सिन्धु घाटी कालीन उपलब्ध प्रमाणों तथा अभिलेखों का चयन करके उनका परीक्षण कर सकेंगे।
	(2) छात्र सिंधु सभ्यता का विश्लेषण कर उसके औचित्य के प्रति धारणा बना सकेगा।

सहायक सामग्री :-

समस्त कक्षोपयोगी सामग्री सिंधु घाटी की स्थापना को प्रदर्शित करता हुआ चार्ट।

पूर्व ज्ञान :-

छात्र पूर्व ज्ञान कक्षाओं में सिन्धु घाटी के सम्बन्ध में पढ़ चुके हैं अतः इसके विषय में कुछ सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना

	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र / छात्राएँ क्रियाएँ
प्र०1	संसार में कितने महाद्वीप हैं?	उ० 7 महाद्वीप हैं।
प्र०2	भारत किस महाद्वीप में आता है?	उ० एशिया महाद्वीप में आता है।
प्र०3	भारत से कौन सी सभ्यता संबंधित है?	उ० सिंधु सभ्यता, वैदिक सभ्यता सम्बन्धित है।
प्र०4	सिन्धु घाटी की सभ्यता से आप क्या समझते हैं?	उ० छात्र अनुत्तरित हैं।

SMT. SHYAMA DEVI College of Science & Management

श्याम पट्ट कार्य

- सिन्धु घाटी सभ्यता का जन्म - सिन्धु नदी की घाटी।
- सिन्धु सभ्यता के निर्माता - द्रविड़ लोग
- दूसरा नाम - हड़प्पा सभ्यता।
- समयावधि - 3250 ई.पू. - 2750 ई.पू.

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Expt. No. ....   Date ....

उद्देश्य कथन:

आज हम सिंधु घाटी सभ्यता के विषय में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण।

शिक्षण बिन्दु :-

सिन्धु घाटी सभ्यता

विधि / प्रविधि:

प्रश्नोत्तर प्रविधि, व्याख्यान विधि

छात्राध्यापक क्रिया	छात्र / छात्राएँ क्रिया
विकासात्मक प्रश्न:	
प्र०1 सिन्धु घाटी की सभ्यता की खोज कब हुई थी?	उ० 1921ई० में हुई थी।
प्र०2- सिन्धु सभ्यता के विषय में आप और क्या जानते हैं? (समस्यात्मक)	उ० छात्र अनुत्तरित हैं?
छात्राध्यापक व्याख्यान:- सिंधु घाटी सभ्यता का जन्म सिन्धु नदी की घाटी में हुआ था। सिंधु घाटी की सभ्यता से संबंधित अवशेष सर्वप्रथम 1921 ई० में हड़प्पा में दयाराम साहनी द्वारा दिये गये। यह सभ्यता 1921 ई० में हड़प्पा और 1922 ई० में मोहनजोदड़ो की खुदाई के बाद प्रकाश में आई। सिंधु सभ्यता के निर्माता द्रविड़ लोग माने जाते हैं।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI College of Science & Management

छात्राध्यापक क्रिया	छात्र/छात्राएँ क्रियाएँ
सिन्धु घाटी की सभ्यता की समयावधि लगभग 3250 ई०पू० से 2750 ई०पू० तक मानी जाती है। सिंधु घाटी सभ्यता को हड़प्पा सभ्यता के नाम से भी जाना जाता है।	
बोधात्मक प्रश्न	
प्र०1 सिन्धु घाटी की सभ्यता का जन्म किस नदी के किनारे हुआ?	उ० सिन्धु घाटी में हुआ था।
प्र०2 सिन्धु घाटी के अवशेष किसके द्वारा दिये गये थे।	उ० दयाराम साहनी द्वारा दिये गये थे।
प्र०3 सिंधु घाटी सभ्यता की समयावधि कब से कब तक मानी जाती है?	उ० 3250 ई० पू० से 2750 ई० पू० तक मानी जाती है।
प्र०4 सिंधु घाटी की सभ्यता को और किस नाम से जाना जाता है?	उ० सिंधु घाटी की सभ्यता को हड़प्पा सभ्यता के नाम से भी जाना जाता है।
विकासात्मक प्रश्न :	
प्र०1 सिंधु घाटी के निर्माता कौन माने जाते हैं?	उ० द्रविड़ लोग माने जाते हैं।
प्र०2 सिंधु सभ्यता की विशेषताओं के विषय में आप क्या जानते हैं? (समस्यात्मक)	छात्र अनुत्तरित
शिक्षण बिन्दु :-	
सिंधु सभ्यता की विशेषताएँ	

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

श्याम पट्ट कार्य

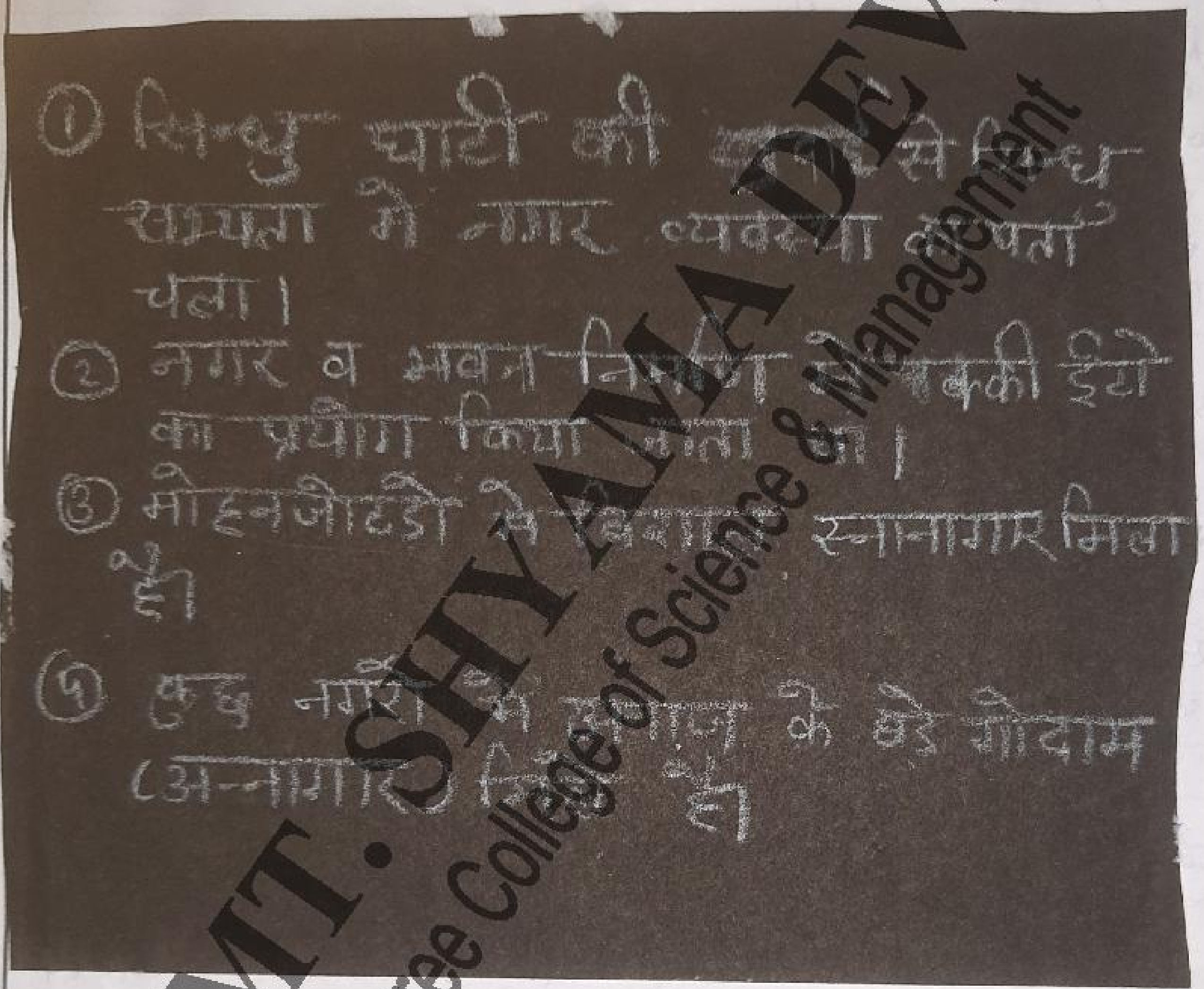

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. 34

छात्राध्यापक कथन - सिंधु घाटी की खुदाई से प्राप्त अवशेषो से पता चलता है कि सिन्धु सभ्यता में सुव्यवस्थित नगर योजना थी। नगर की सड़के और नालियां सीधी बनी हुई थी। मकानों से गंदाजल निकालने की व्यवस्था थी सड़क तथा नालियों मे पकी हुई ईटो का प्रयोग किया गया था सिंधु खुदाई से प्राप्त अवशेषों को देखने से पता चलता है कि कुछ नगरो में बड़े-2 गोदाम थे जो अनाज रखने के काम मे आते थे। इनको अन्नागार कहा जा सकता है। ये अन्नागार चारो ओर से सुरक्षित होते थे।

बोधात्मक प्रश्न

बोधात्मक प्रश्न:-

प्र०1 सिन्धु सभ्यता मे नगर की सड़के को किसकी बनी हुई थी?	उ० पक्की ईटो की बनी हुई थी।
प्र०2 सिन्धु सभ्यता मे मकान कैसे बने हुए थे?	उ० कच्चे पक्के, तथा छोटे बड़े सभी प्रकार के बने हुए थे।
प्र०3 खुदाई मे विशाल स्नानागार कहाँ मिला था?	उ० मोहनजोदड़ो की खुदाई मे विशाल स्नानागार मिला था।
प्र०4 सिन्धु सभ्यता मे अनाजों की को रखने की क्या व्यवस्था थी?	उ० सिंधु सभ्यता मे अनाजो को रखने के लिये अन्नागार बने हुए थे।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

श्याम पट्ट कार्य

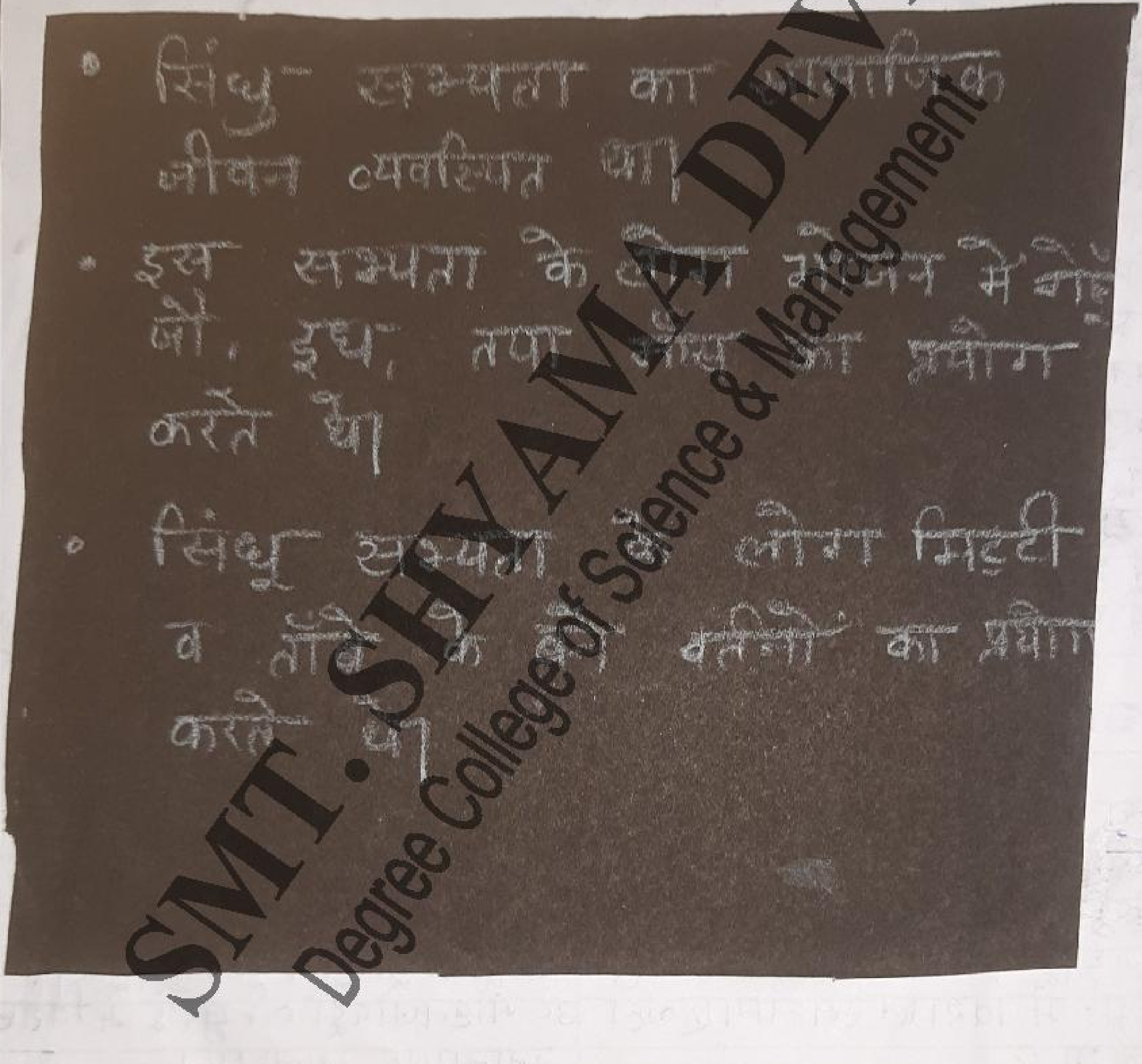

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

विकासात्मक प्रश्न :-	छात्र उत्तर देंगे।
प्र०1 सिन्धु सभ्यता को किस नाम से जाना है?	उ० - हड़प्पा सभ्यता के नाम से जानते है।
प्र०2 सिन्धु सभ्यता के सामाजिक जीवन से आप क्या समझते है? (समस्यात्मक)	उ० छात्र अनुत्तरित है।

शिक्षण बिन्दु :-

सिन्धु सभ्यता का सामाजिक जीवन

छात्राध्यापक व्याख्यान :- सिन्धु सभ्यता का सामाजिक जीवन व्यवस्थित था। इस सभ्यता के लोग गेहूं, जौ, दूध, घी का उपयोग भोजन के रूप मे करते थे। इस सभ्यता के लोग सूती व ऊनी सभी प्रकार के वस्त्रों का उपयोग करते थे। सिन्धु सभ्यता के लोग मिट्टी तथा तांबे के बर्तनों का प्रयोग करते थे। इस सभ्यता के लोगों का मनोरंजन साधन शिकार था। ये लोग धनुष बाण से जंगली जानवरों का शिकार करते थे। इन लोगों को नाचने तथा गाने का भी शौक था। सिन्धु घाटी सभ्यता के लोग बैलगाड़ी पर बैठ कर यात्रा करते थे। इस सभ्यता के लोगों

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....   Page No. 36

कच्चे पक्के व छोटे बड़े सभी प्रकार के थे।

बोधात्मक प्रश्न :-

(1) सिन्धु सभ्यता के लोगों का मुख्य भोजन क्या था?	उ० गेहूँ, जौ, दूध और मांस था।
(2) सिन्धु सभ्यता के लोग किस प्रकार के वस्त्रों का उपयोग करते थे।	उ० सूती तथा ऊनी दोनों प्रकार के वस्त्रों का उपयोग करते थे।
प्र०3 सिन्धु सभ्यता के लोग किस प्रकार के बर्तनों का प्रयोग करते थे?	उ० सिन्धु सभ्यता के लोग मिट्टी तथा ताँबे के बने बर्तनों का प्रयोग करते थे।
प्र०4 सिंधु सभ्यता के लोग किस प्रकार यात्रा करते हैं?	सिन्धु सभ्यता के लोग बैलगाड़ी से यात्रा करते थे।

मूल्यांकन प्रश्न :-

प्र01 सिन्धु घाटी सभ्यता की खोज कब हुई?

प्र02 सिन्धु सभ्यता का जन्म कब से माना जाता है?

प्र03 खुदाई में विशाल स्नानागार कहाँ मिला है?

(1) मोहनजोदड़ो (2) मिस्र (3) मेसोपोटामिया (4) अजन्ता

प्र04 सिन्धु सभ्यता के लोगों का मुख्य भोजन क्या था?

प्र05 सिन्धु सभ्यता के लोग किस प्रकार के बर्तनों का प्रयोग करते थे?

गृहकार्य :

छात्रों सिन्धु घाटी सभ्यता एवं सिंधु सभ्यता के सामाजिक जीवन को घर से पढ़कर आना।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management